परिवर्तनको लागि
क्राईम अपरेशन
CRIME OPERATION
साप्ताहिक

पानीको सही सदुपयोग गरौं । पानी महसुल समयमै तिरौं अनावश्यक

नेपाल खानेपानी संस्थान शाखा कार्यालय देवकोटा चौक

❑ वर्ष १० ❑ अंक १ २०७८ श्रावण १० गते आईतवार Sunday 25, JULY 2021 ❑ पृष्ठ: ६, ❑ मूल्य रु. १०/-

श्रीमतिको हत्याको आरोपमा श्रीमान् पक्राउ

झापा । मोरङ रंगेली नगरपालिका वडा नं. ९ सखुवाथान घर भई झापा गौरादह वडा नं. १ सितल चौक बस्दै आएका ३९ बर्षीय सजिलाल रिख्यासनलाई आफ्नै श्रीमतीको हत्या गरेको अभियोगमा पक्राउ गरिएको छ ।

रिख्यासनले गत असार ३१ गते आफ्नै श्रीमती ३४ बर्षीया संगिता टुडुलाई खेत नजिक रहेको टहरामा लगि कुटपिट गरी हत्या गरेर उनि फरार भएका थिए । घटनाको जानकारी पाउन साथ अनुसन्धान तथा खोजतलसामा खटिएको प्रहरी टोलीले फरार रहेका सजिलाल रिख्यासनलाई पक्राउ गरी प्रहरीले सार्बजनिक गरेको थियो ।

पक्राउ परेका रिख्यासन उपर कर्तब्य ज्यान मुद्धामा कानुनी कारवाही तथा घटना सम्बन्धमा थप अनुसन्धान भईरहेको जिल्ला प्रहरी कार्यालय झापाले जनाएको छ ।

अपेरिकन र भारतीय नोट

बिराटनगर । मोरङको बिराटनगर महानगरपालिका वडा नं. १७ मटेरुवा चोक स्थितबाट जिल्ला प्रहरी कार्यालय मोरङबाट खटिएको प्रहरी टोलीले भारतिय र अमेरिकी डलर सहित २ जना भारतीय नागरिकलाई पक्राउ गरेको छ ।

पक्राउ पर्नेमा भारत उत्तर प्रदेश लखनउको ३४ बर्षीय अतुल कुमार र ३५ बर्षीय सन्दिप सिंह रोय रहेका छन् । शुक्रवार भारतबाट नेपाल तर्फ आउदै गरेका अतुलको साथबाट भारतिय नोट ५ सय को २ सय थान १ लाख फेलापरेको थियो ।

त्यसैगरी सन्दिप सिंह रोयको साथबाट भारतिय नोट ५ सय को २ सय १७ थान १ लाख ८ हजार ५ सय, अमेरिकन नोट १ सय को २१ थान, २० को ५ थान, १० को १ थान, र १ को ४ थान सहित दुबै जनालाई नियन्त्रणमा लिई आवश्यक कारबाहीको लागी आन्तरिक राजश्व कार्यालय ईटहरीमा बुझाएको छ ।

पिलर ढलेर बालकको मृत्यु

ईलाम । इलाम नगरपालिका वडा नं. १ नेपालटार स्थित हर्क बहादुर गुरुङको घरमा डेरा गरी बस्ने इलाम नगरपालिका ६ खरेलडाडा घर भएका बचासदिप रिजालको छोरा ८ बर्षीय ग्रेसधीफ रिजालको सिमेन्टको पिलर ढली लागेर मृत्यु भएको छ ।

शुक्रवार छतमा खेल्ने क्रममा घर बनाउनको लागी बनाई राखेको पक्की सिमेन्टको पिलर भित्तामा ठाडो पारेर राखेको अचानक ढली किचेर गम्भिर घाईते भएका बालकको उपचारको लागी जिल्ला अस्पताल ईलाम पुऱ्याउदा मृत्यु भई सकेको थियो ।

घटना सम्बन्धमा जिल्ला प्रहरी कार्यालय ईलामबाट थप अनुसन्धान भईरहेको छ ।

१ करोड ४१ लाख राजश्व संकलन, ५२ फर्मलाई जरीवाना

बिराटनगर । बाणिज्य, आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण कार्यालय विराटनगरले मंगलवार एक कार्यक्रमको आयोजना गरी आर्थिक वर्ष २०७७/०७८ मा भएको प्रगती विवरणको जानकारी गराउँदै १ करोड ४१ लाख ७० हजार ९ सय १५ रुपैयाँ राजश्व संकलन र ५२ फर्मलाई जरीवाना गरेको निमित्त प्रमुख संतोष पोखरेलले वताए ।

उक्त राजश्व संकलन कार्यालयले आर्थिक वर्ष ०७७/०७८ मा ५ हजार ३ सय ४५ वटा फर्म दर्ता, ३ हजार ३ सय ६ वटाको नवीकरण र २ सयवटा खारेजी गरे वापत गरेको हो । आर्थिक वर्ष ०७६/०७७ मा भने फर्म दर्ता, नवीकरण, तथा खारेजीको शुल्क धेरै तोकिएका कारण कुल ३ हजार ५ सय फर्मको दर्ता, नवीकरण र खारेजी हुँदा १ करोड ८१ लाख रुपैयाँ राजश्व संकलन भएको थियो ।

त्यसैगरी उपभोक्ता हित विपरीतका गतिविधि गर्ने विभिन्न

निमित्त कार्यालय प्रमुख संतोष पोखरेलले प्रगती विवरण प्रस्तुत गर्दै ।

५२ वटा फर्म, पसल तथा उद्योगहरुलाई १९ लाख जरीवाना समेत गरेको छ ।

बाणिज्य, आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण कार्यालय विराटनगरले बजार अनुगमनका क्रममा कैफियत भेटिएका त्यस्ता फर्म तथा उद्योगलाई जरिवाना गरिएको पोखरेलले जानकारी गराए थिए ।

विके मसला उद्योग, सेन्ट्रल बजार प्रालि, अंश लघु घरेलु उद्योग, विज्ञान फार्मेसी र विविता सर्जिकल हाउसलाई २/२ लाख जरीवाना र जैसानी ट्रेस कन्सर्नलाई ३ लाख जरिवाना गरेको उनले जानकारी दिए ।

बिराटनगर बाहिर गएर अनुगमन नगर्ने प्रचलनलाई तोडदै

वांकी अन्तिम पेजमा...

लागु औषध सहित एक पक्राउ

बिराटनगर, श्रावण-०९ गते । मोरङ बिराटनगर महानगरपालिका वडा नं. १६ दरैया स्थितमाबाट लागूऔषध सहित एक जनलाई पक्राउ गरिएको छ । पक्राउ पर्नेमा लेटाङ गाउँपालिका वडा नं ६ मिलन चोक का २२ बर्षीय रमेश पाचकोटी रहेको छ ।

शुक्रवार लागूऔषध नियन्त्रण ब्युरो विराटनगरबाट खटिएको प्रहरी टोलीले उनलाई लागूऔषध एभिल १५ एम्पुल,

वांकी अन्तिम पेजमा...

१ हजार ९१ जनामा कोरोना संक्रमण पुष्टी

बिराटनगर । प्रदेश नं. १ मा शनिवार १ हजार ९१ जनामा कोरोना संक्रमण पुष्टी भएको छ । संक्रमण पुष्टी भएको मध्ये १ हजार ६ सय ६१ जनाको पीसीआर परिक्षण गरिएकोमा ३ सय ३८ जनामा कोरोना पोजेटिभ आएको हो ।

त्यसैगरी २ हजार २ सय ८१ जनाको एन्टिजेन परीक्षणमा ७ सय ५३ जनाको कोरोना पोजेटिभ आएको सामाजिक विकास मन्त्रालयले जनाएको छ ।

पीसीआर परीक्षणका आधारमा मोरङमा १३५, झापामा ९५, सुनसरीमा ९२, इलाममा ४, उदयपुरमा ३, पाँचथरमा २, भोजपुर र खोटाङमा १-१ र प्रदेश

वांकी अन्तिम पेजमा...

परिवर्तनको लागि क्राईम अपरेशन CRIME OPERATION साप्ताहिक

मो.जि.प्र.का.द.नं. २४८/०६९/७०
पू.क्षे.हु.नि.मोरंग द.नं. ०१/०७३/७४

कोभिड–१९ को संक्रमणबाट बचौं र बचाऔं

सेवा प्रवाह गर्दा निम्न कुरामा ध्यान दिऔं :

- अनिवार्य रुपमा मास्क लगाऔं ।
- सेवा प्रवाहमा भौतिक दुरी कायम गरौं ।
- साबुन पानीले मिचीमिची हात धुने गरौं वा सेनिटाइजरको प्रयोग गरौं।
- संक्रमणको शंका लागेमा नजिकैको स्वास्थ्य संस्थामा तुरुन्त सम्पर्क गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

रामायण...

है रामायण का इतिहास जितना दिलचस्प है उतना ही कौतूहल उत्पन्न करता है ऋयलतभलतक रामायण वाल्मीकि रामायण तुलसी रामायण रामायण दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में रामायण रामायण का मूल अर्थ है राम का अयन जिसका मतलब होता है राम की यात्रा पथ, मूल रूप से यह राम की दो विजय यात्राओं पर आधारित है जिसमें प्रथम यात्रा प्रेम-,सहयोग हास-परिहास और आनंद-उल्लास से भरी हुई है जबकि दूसरी यात्रा दुख, दर्द, वियोग, व्याकुलता और वेदना से भरी हुई है दूसरी यात्रा को ही राम कथा का मूल आधार माना जाता है २४ हजार श्लोकों से भरे आदिकवि वाल्मीकि का संस्कृत में लिखा रामायण जितना बड़ा महाकाव्य है उसका इतिहास उतना ही दिलचस्प है ।

हिंदू स्मृति के इस महान काव्य में त्रेता युग में अवतरित रघुकुल के राजा राम की गाथा कही गई है इतिहासकारों और साहित्यकारों का मानना है कि वाल्मीकि ने रामायण की रचना तीसरी शताब्दी में की थी माना जाता है कि महर्षि बाल्मीकि के रामायण लिखने से पहले इक्ष्वाकु वंश के सुतो ने राम से जुड़ी कहानियों का प्रचलन शुरू कर दिया था, जो चौथी शताब्दी तक कुछ-कुछ प्रचलित हो गई थी महर्षि वाल्मीकि ने उन कहानियों को ही आधार बनाकर रामायण की रचना की वाल्मीकि रचित आदि रामायण में अयोध्या कांड से युद्ध कांड जिसे लंका कांड भी कहा जाता है तक कि चर्चा थी जबकि बालकांड और उत्तरकांड बाद में जोड़ा गया शुरुआत में आदि रामायण का कोई प्रमाणित लिखित रूप नहीं मिलता है ।

वह कई शताब्दियों तक मौखिक रूप से ही प्रचलित रही, जिसे बाद में लिखा गया विकास के पहले चरण में राम आदर्श क्षत्रिय के रूप में भारतीय जनमानस के सामने पेश किए गए लेकिन समय के साथ-साथ रामायण की लोकप्रियता बढ़ती गई और इसके साथ ही राम का महत्व भी बढ़ने लगा कृष्ण की भांति राम भी पहली शताब्दी में विष्णु के अवतार के रूप में स्वीकार किए जाने लगे इसी तरह विकास के रूप में दूसरे चरण में राम कथा का आदर्श क्षत्रिय राम का चरित्र ना रहकर विष्णु की अवतार लीला के रूप में बदल गया राम को विष्णु का अवतार माना जाने लगा और राम भक्ति का प्रचलन शुरू हुआ राम भक्ति का प्राचीन उल्लेख तमिल अलवरओं की रचनाओं में मिलता है १२वीं शताब्दी में रामानुज संप्रदाय में राम भक्ति की रचना शुरू हुई और आगे चलकर रामानंद और रामावत संप्रदाय में राम भक्ति जनमानस की धार्मिक चेतना का केंद्र बन गई है इससे प्रभावित होकर उनकी रामायणओं की रचना हुई १४वीं शताब्दी से पूरा भारतीय राम कथा साहित्य भक्ति भाव से भर गया, हालांकि रामायण का मुख्य उद्देश्य शताब्दियों तक साहित्य की रहा १४वीं शताब्दी से यह पूर्ण रूप से धार्मिक हो गया और राम भक्ति की संपूर्ण कथा वस्तु है एक नए नजरिए से प्रस्तुत की गई यह राम कथा और रामायण के विकास का तीसरा चरण था ।

यहां राम विष्णु के अवतार लीला मात्र ना रहकर भगवान राम के गुण कीर्तन में बदल गए इसी तरह रामायण और राम कथा के अनेक रूप धारण करते हुए धीरे-धीरे संपूर्ण भारतीय संस्कृति में रच-बस गए जब संस्कृति बोलचाल की भाषा नहीं रही तो कवियों और संतों ने इसे अपनी-अपनी बोलचाल और प्रदेश की भाषाओं में लिखा, दक्षिण की भाषाओं में रंगनाथ रामायण तेलुगू में लिखी गई रामायण को महर्षि कमर में तमिल में, रामानुजन ने मलयालम में और नाकचंद्र ने कन्नड़ में से लिखा पूर्व में महाकवि क्रितिवाश इसे बांग्ला भाषा में लिखा, महाराष्ट्र में संत एकनाथ ने इसे मराठी में लिखा और उत्तर में गोस्वामी तुलसीदास ने अवधी में लिखा लोकहित का भाव रामायण का सबसे मूल तत्व है सीता का पतिव्रता, राम का आज्ञा पालन भारत और लक्ष्मण का भाई प्रेम, दशरथ की सत्य साधना, कौशल्या के आदर्शों ने रामायण का चरित्रवान और कल्याणकारी रूप पेश किया और सबसे बढ़कर असत्य पर सत्य की विजय ने रामायण को देश और दुनिया का सबसे महान काव्य बना दिया ।

भारतीय संस्कृति में अवतारवाद की उत्पत्ति और रामायण की लोकप्रियता का काफी गहरा संबंध है रामायण का इतिहास यह दर्शाता है कि वैदिक काल से ही मर्यादा पुरुषोत्तम राम हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के अभिन्न अंग रहे हैं और बुराई पर अच्छाई के प्रतीक है कहते हैं हरि अनंत हरि कथा अनंत सबसे पहले श्री राम की कथा हनुमान जी ने लिखी थी फिर महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के बाद लाभ से जुड़े हजारों कथाएं प्रचलन में आई है सभी कथाएं भगवान राम से ही जुड़ी हुई है और सभी कथाओं में थोड़े बहुत बदलाव के साथ मूल में राम ही है आइए जानते हैं कि हर कोने में पूजे जाने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की कथा रामायण को भारत में किन किन भाषाओं में लिखा गया और उनकी विशेषता क्या है? वाल्मीकि रामायण अलग-अलग रूपों में देखने पर रामायण करीब ३०० से लेकर १००० तक की संख्या में अनेक रूपों में मिलती है संस्कृत में रचित वाल्मीकि रामायण जिसे आस रामायण भी कहा जाता है सबसे प्राचीन मानी जाती है वाल्मीकि रामायण संस्कृत भाषा में छन्दो में लिखा गया है इसमें श्री राम के चरित्र का उत्तम और विराट रूप का काव्य रूप में वर्णन है महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित होने के कारण इसे वाल्मीकि रामायण भी कहा जाता है ।

वाल्मीकि रामायण को पढ़ कर ऐसा नहीं लगता मानो उन्होंने श्री राम के बारे में जो कुछ भी देखा और सुना उसे वेदों की भाषा में अंकित किया है मौजूदा वक्त में राम के चरित्र पर आधारित जितने भी ग्रंथ उपलब्ध हैं उन सभी का मूल महर्षि वाल्मीकि की लिखी गई रामायण से लिया गया है तुलसी रामायण स्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस उत्तर भारत में सबसे ज्यादा प्रचलित है श्रीरामचरितमानस अवधी भाषा में गोस्वामी तुलसीदास ने ज्ञटवीं सदी में लिखी थी जो एक महाकाव्य है इसे तुलसी रामायण कहा जाता है रामचरितमानस भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान रखता है शारदीय नवरात्रि में इसके सुंदरकांड का पाठ पूरे ढ दिन किया जाता है राम की कथा को वाल्मीकि के लिखने के बाद दक्षिण भारतीय लोगों ने अलग तरीके से लिखा रामायण कई भारतीय भाषाओं में लिखी गई है हिंदी में ही कम से कम ११, मराठी में ८, बंगला में २५, तमिल में १२, तेलगु में १२, और उड़िया में ६ अलग-अलग राम कथा मिलती है इसके अलावा संस्कृत, गुजराती, मलयालम, उर्दू, अरबी और फारसी भाषाओं में भी राम कथा लिखी गई है मौजूदा समय में प्रचलित बहुत ही राम कथाओं में आर्स रामायण, अद्भुत रामायण, कृतिबास रामायण, बीलंका रामायण, मैथिल रामायण, सर्वार्थ रामायण, तत्वार्थ रामायण, प्रेम रामायण, संजीवनी रामायण, उत्तररामचरितम्, रघुवंशम, अध्यात्म रामायण, राधेश्याम रामायण, श्री राघवेंद्र चरितम, मंत्र रामायण, योग वशिष्ठ रामायण और जानकीहरणम् प्रमुख है रामायण दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में भारतीय संस्कृति के भगवान राम दक्षिण पूर्व एशिया के मुस्लिम देशों की संस्कृति में भी रचे बसे हैं आसियान देशों में रामायण और राम कथा अनेक रूपों में प्रचलित है, और लोकजीवन से इतनी गहराई तक जुड़ी हुई है कि राम कथा इन देशों की संस्कृति का अभिन्न अंग बन गई है ।

रामायण आज सिर्फ भारत की ही धरोहर नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में ख़ासकरआसियान देशों के सामाजिक, संस्कृतिक ताने-बाने का अहम हिस्सा है अलग-अलग देशों में रामायण के अलग-अलग रूप है फिलीपींस में रामायण फिलीपींस में राम कथा का इतिहास बेहद दिलचस्प है यहां ज्ञघवीं सदी में राम कथा समाज के बीच पहुंची और भली-भांति राजबस गई यहां की राम कथा और उसके पात्रों का स्वरूप वाल्मिकी के रामायण से थोड़ा अलग हैफिलीपींस की रामायण में भी असत्य पर सत्य की विजय दिखाई गई है थाईलैंड में रामायण थाईलैंड में राम कथा राम कीर्ति के नाम से मशहूर है थाईलैंड में यह मान्यता है कि रामायण की घटना स्थल और उत्पत्ति उनकी ही देश में हुई थी प्राचीन काल से ही वहाँ नाटकों में रामकथा का महत्वपूर्ण स्थान रहा है थाईलैंड में आज संवैधानिक रूप में रामराज्य है वहां के सभी राजा अपने को रामवंशी मानते हैं म्यानमार में रामायण म्यानमार में ईसा पूर्व के ही रामायण पहुंच चुकी थी लेकिन ज्ञठवीं शताब्दी से पहले कि कोई भी साहित्य पुस्तक उपलब्ध नहीं है ज्ञडवीं सदी में यूं तो थाईलैंड की राम कथा के आधार पर ही राम यागन की रचना की जो बर्मा का सबसे लोकप्रिय महाकाव्य माना जाता है म्यानमार की रामायण में सीता हरण काफी लोकप्रिय है ।

कंबोडिया में रामायण इतिहासकारों का मानना है कि पहली शताब्दी से भारतीय व्यापारी कंबोडिया आने लगे थे और उन्होंने ही रामायण और भारतीय संस्कृति का कंबोडिया प्रचार प्रसार किया ढवीं और ज्ञघवीं शताब्दी के बीच कंबोडिया की प्राचीन राजधानी अंकोरवाट के मंदिरों पर रामायण और महाभारत के बहुत से शीला चित्र अंकित है कंबोडिया के रामायण को राम कीर्ति कहते हैं इसमें सीता जनक की दत्तक पुत्री मानी गई है और राम के त्याग दिए जाने पर वाल्मीकि के आश्रम में निवास करती है यहां की रामायण में भी असत्य पर सत्य की जीत दिखाई गई है ।

मलेशिया में रामायण मुस्लिम देश होने पर भी मलेशिया में भारतीय संस्कृति का गहरा प्रभाव रहा है मलेशिया में रामायण का प्रचार अभी तक है मलई यानी पुराने मलेशिया में रामायण के साहित्य पाठ हिकायत श्री राम के नाम से प्राप्त होते हैं हिकायत श्री राम ग्रंथ में रावण के चरित्र से लेकर राम जन्म, सीता जन्म, राम-सीता विवाह, राम वनवास, सीता हरण, युद्ध और राम-सीता मिलन तक की कथा है ।

इंडोनेशिया में रामायण इंडोनेशिया में रामायण का प्रचार प्राचीन काल से ही हो चुका था इसका प्रमाण ९वीं शताब्दी में वहां की शिव मंदिर के दीवारों के चित्रों से मिलता है यहां की रामायण पर बौद्ध धर्म की शैलियों का प्रभाव है ढवीं शताब्दी तक जावा में रावण, लंका, भारत, राम, सीता नाम प्रचलित हो चुके थे रामायण का व्यापक प्रचार-प्रसार और स्वीकार्यता यह दर्शाता है कि रामायण ना केवल भारतीय समाज के लिए प्रासंगिक है बल्कि पूरी दुनिया के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण और प्रासंगिक है और यही इस महाकाव्य की महानता का सबसे बड़ा उदाहरण है ।

१ करोड...

पहिलो पटक बाणिज्य, आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण कार्यालय बिराटनगरले बाहिर जिल्ला गएर पनि बजार अनुगमन गरेको छ। सो कार्यालयको प्रदेश १ का १४ वटा जिल्लाहरुको बजार अनुगमन गर्ने कार्यक्षेत्र रहेको छ ।

सोही अनुसार मोरङ, सुनसरी, झापा, पाँचथर, इलाम, उदयपुर, ओखलढुंगा र सोलखुम्बु जिल्लाको बजारहरुमा पुगेर कार्यालयले २ सय २ वटा अनुगमन भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७६/०७७ मा १४२ वटा मात्रै बजार अनुगमन भएको थियो ।

सो कार्यालयको अनुसार बजार अनुगमनकै क्रममा विभिन्न पसलहरुबाट १ लाख ३६ हजार ८ सय रुपैयाँ बराबरको उपभोग्य अवधि सकिएका वस्तु नियन्त्रणमा लिई नष्ट गरिएको थियो ।

बाणिज्य, आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण विभागले फर्म दर्ता, नवीकरण र दर्ता खारेज गर्ने नियमावलीमा संशोधन गरेर लाग्दै आएको राजश्व अत्यधिक अंकले घटाएका कारण चालु अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा धेरै काम राजश्व संकलन भएको पोखरेलको भनाई थियो ।

कार्यालय परिसरको अगाडि 'ट्रष्ट' राखेर सेवाग्राहीलाई सहजता प्रदान गरिएको, अशक्त तथा अप्ठेरोमा परेका महिलाहरुका लागि कार्यालयमै निःशुल्क फोटोकपीको व्यवस्था, महिला शौचालयको निर्माण र कार्यालयको फाइल तथा अभिलेखको राम्रो व्यवस्थापन भएको पोखरेलको दावी छ ।

१ हजार...

१ बाहिरका ५ जनामा संक्रमण देखिएको छ ।

मोरङको विराटनगरमा ६७, पथरीशनिश्चरेमा २४, केराबारीमा २२, बेलबारीमा ११, उर्लाबारीमा ४, सुन्दरहरैचा र कटहरीमा २-२, रंगेली, बुडीगंगा र स्थानीय तह नखुलेका १-१, झापाको दमकमा ४९, भद्रपुरमा २०, विर्तामोडमा ९, कमल गाउँपालिकामा ६, मेचीनगरमा ३, अर्जुनधारामा २, हल्दिबारी, कचनकवल, कनकाई, बुद्धशान्ति, शिवसताक्षी र स्थानीय तह नखुलेका १-१ जनाको रिपोर्ट पोजेटिभ आएको जनाइएको छ ।

सुनसरीको धरानमा ७७, इटहरीमा ९, बराहक्षेत्रमा ३, इनरुवा, हरिनगर र कोशी गाउँपालिकामा १-१, इलामको इलाम नगरपालिका, चुलाचुली, रोङ र स्थानीय तह नखुलेका १-१, उदयपुरको चौदण्डीगढीमा २ र कटारीमा १, पाँचथरको फिदिममा २, भोजपुरको भोजपुर नगरपालिका र खोटाङको हलेसी तुवाचुङमा १-१ र प्रदेश १ बाहिरका ५ जनामा संक्रमण देखिएको छ।

प्रदेश १ मा शनिबार ३ सय ७ जना संक्रमणमुक्त भएका छन् । हालसम्म संक्रमणमुक्त हुनेको संख्या ७३ हजार २४३ पुगेको छ । कोरोना संक्रमणबाट प्रदेश १ मा ८ जनाको मृत्यु भएको छ । मृत्यु हुनेमा २ महिला र ६ पुरुष रहेको सामाजिक विकास मन्त्रालयले जनाएको छ ।

लागुऔषध...

लुपिजेसिक १५ एम्पुल, डाइजाल्याप १५ एम्पुल र फेनारगन १५ एम्पुल सहित पक्राउ गरिएको थियो ।

पक्राउ परेका उनको ईलाका प्रहरी कार्यालय रानीबाट थप अनुसन्धान भईरहेको छ ।

परिवर्तनको लागि क्राईम अपरेशन CRIME OPERATION साप्ताहिक
प्रवन्ध निर्देशक : हिरालाल साह ९८४२२०५८१६ सम्पादक/प्रकाशक:श्याम सुन्दर सुतिहार ९८४२०२७१४२,९८०७३५२२१३ कार्यालय विराटनगर-११ कम्प्युटर लेआउट:विजय कु.मण्डल
मुद्रक:बाबा प्रिण्टर्स अफसेट प्रेस, विराटनगर-७ इमेल:crimeopration@gmail.com

सम्पादकीय

जनप्रतिनीधीको लागि अन्तिम बजेट

संघिय लोकतन्त्र स्थापना भएको नेपालमा तीन तहमा विभाजन भएको छ। जस अनुसार संघिय, प्रदेश र स्थानीय तह रहेका छन्। ७ सय ५३ स्थानीय तहले ल्याएको आर्थिक वर्ष २०७८/०७९ को आय व्याय बजेट जनप्रतिनिधीहरुको लागि सम्भवत अन्तिम वर्षको पूर्ण बजेट हो। अगामी आर्थिक वर्षमा निर्वाचन हुने हुँदा काम चलाउ बजेट मात्र हुनेछ। त्यसैले कार्यान्वयनमा पूर्ण सफलता हासिल गर्न सकेमा विगतमा गरेका गल्ती, कमी कमजोरी नगरवासी र गाउँवासीहरुले विर्सने र अगामी दिनमा निर्वाचनमा साथ दिने वातावरण वनाउन अहिलेको जनप्रतिनिधीहरु लाग्न आवश्यक छ। आ-आफ्नो नगरपालिका र गाउँपालिकाहरुले जनता समक्ष कबुल गरेको बजेटलाई हुवहु काम गरेर देखाउने हो भने फेरी पनि राजनीतिमा आवसर आउन सक्ने सम्भावना देखिन्छ अन्यथा जनताले जनप्रतिनिधीहरुलाई हैसियत देखाउने छ। घरआँगनमै आएको सिंहदरबाररूपी स्थानीय सरकारप्रति पनि आम जनताको भरोसा अपेक्षित रूपमा बन्न सक्नुपर्छ।

बजेट कार्यान्वयनको लागि योजना तयार गर्नुपर्छ। बजेटलाई सिलसिलेवार ढंगले वक्तव्यको प्रत्येक बुँदालाई सूचीकृत गर्नुपर्छ। यसरी प्रत्येक बुँदामा कार्यान्वयनको जिम्मेवार पदाधिकारी तोक्नुपर्छ। साथै, ती पदाधिकारीलाई सघाउनेहरूको विवरण पनि तयार गर्नुपर्छ। यस अतिरिक्त, तोकिएको काम सम्पन्न हुने समयावधि किटानी गर्नुका साथै सो कार्यक्रमका लागि विनियोजित बजेट रकम पनि उल्लेख गर्नुपर्दछ। राजनीतिक दल, नागरिक समाजका अगुवा, बुद्धिजीवी र संचारकर्मीले कार्ययोजना बमोजिम काम नभएमा दबाब दिन सक्ने वातावरण निर्माण गर्नुपर्छ अति आवश्यक रहेको छ। जनप्रतिनिधि, राष्ट्रसेवक कर्मचारी, ठेकेदार वा उपभोक्ता समूह वा टोल विकास संस्थाका पदाधिकारी लगायत सरोकारवाला सबैलाई अनिवार्य रूपमा जिम्मेवार वनाउनु पर्दछ।

त्यसैगरी, ठेकेदार, उपभोक्ता समूह, टोल विकास संस्था वा जिम्मेवार अन्य कुनै निकायले लापरवाही गरेको भए निश्चित दिन तोकी चेतावनी दिने र तोकिएको दिनपछि स्वतः ठेक्कापट्टा खारेज हुने निर्णय गर्न सक्नुपर्छ। हाल ७५३ वटा पालिकामध्ये अधिकांश स्थानमा बजेट कार्यान्वयनको जिम्मेवारी मेयर वा अध्यक्ष र प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतले मात्रै वहन गरिरहेका छन्। जसअनुसार, पालिकाका पूरै योजनालाई सूचीकृत गरी मेयर वा अध्यक्ष, उपमेयर वा उपाध्यक्ष, वडाध्यक्ष, कार्यपालिका सदस्य, वडा सदस्य, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत, योजना अधिकृत, लेखा अधिकृत, प्राविधिक अधिकृत लगायतलाई योजना जिम्मा लगाउने वा स-सानो टिम बनाएर जिम्मेवारी वितरण गरी बजेट कार्यान्वयनमा जोड दिन आवश्यक छ।

स्थानीय तह : बजेट कार्यान्वयनका १० सुत्र

कृष्णहरि बास्कोटा

संघीय प्रणालीमा स्थापना भएका ७५३ वटा स्थानीय तहले चालु आ.व.२०७८/७९ को बजेट साउन १ गतेदेखि कार्यान्वयनमा ल्याएका छन्। हाल निर्वाचित जनप्रतिनिधिका लागि यो अन्तिम वर्षको पूर्ण आकारको बजेट हो। आगामी आ.व.मा निर्वाचन हुने हुँदा संभवतः कामचलाउ बजेट मात्रै जारी हुनेछ।

यसर्थ, चालु आ.व.को बजेट कार्यान्वयनमा पूर्ण सफलता हासिल गर्न सक्दा आम गाउँवासी वा नगरवासीले विगतका कमी-कमजोरी बिर्सने र आगामी निर्वाचनमा यी जनप्रतिनिधिहरूले बढुवासहितको पार्टीबाट उम्मेदवारको टिकट पाउने हुन्छ। यसर्थ, यस वर्षको बजेट कार्यान्वयनमा 'मर वा गर' को सिद्धान्त अवलम्बन गरी घोषित बजेटको हुबहु कार्यान्वयनका लागि खरो उत्रिन १० वटा 'टिप्स' (सूत्र) को व्याख्या गर्न चाहन्छु।

१. कार्ययोजना बनाऊ

सामान्यतः हामी जे भन्छौं सो गर्दैनौं। जे भन्दैनौं, सो गर्दछौं। यसरी, भनाइ र गराइबीचको ठूलो खाडल बन्दै गएको छ। यसर्थ, घरआँगनमै आएको सिंहदरबाररूपी स्थानीय सरकारप्रति पनि आम जनताको भरोसा अपेक्षित रूपमा बन्न सकिरहेको छैन।

यी सिंह झैं शासन गर्न उद्यत छन्, तर दरबार झैं सेवा गर्न अनिच्छुक छन् भनी आलोचना हुने गरेको छ। यसर्थ, चालु आ.व.को बजेटमा घोषित कार्यक्रमहरूको सफल कार्यान्वयन गरी यस्ता आलोचनाबाट स्थानीय सरकारहरू मुक्त हुनुपर्छ।

यसका लागि बजेट कार्यान्वयन योजनालाई 'मेट्रिक्स' मा तयार गर्नुपर्छ। यसमा सिलसिलेवार ढंगले बजेट वक्तव्यको प्रत्येक बुँदालाई सूचीकृत गर्नुपर्छ। यसरी प्रत्येक बुँदामा कार्यान्वयनको जिम्मेवार पदाधिकारी तोक्नुपर्छ। साथै, ती पदाधिकारीलाई सघाउनेहरूको विवरण पनि तयार गर्नुपर्छ। यस अतिरिक्त, तोकिएको काम सम्पन्न हुने समयावधि किटानी गर्नुका साथै सो कार्यक्रमका लागि विनियोजित बजेट रकम पनि उल्लेख गर्नुपर्छ।

त्यसपछि सो काम सम्पन्न भएको पुष्टि गर्ने सूचकांक तयार गर्नुका साथै सो कामको अनुगमन गर्ने पदाधिकारी वा टोलीको संरचना तयार गर्नुपर्छ । यसरी तयार गरिएको कार्ययोजना आम जनताको जानकारीमा ल्याउनुपर्छ।

राजनीतिक दल, नागरिक समाजका अगुवा, बुद्धिजीवी र संचारकर्मीले कार्ययोजना बमोजिम काम नभएमा दबाब दिन सक्ने वातावरण निर्माण गर्नुपर्छ। यसरी आफूलाई आफैंले बाँध्ने कार्ययोजनाको घोषणा र 'वाचडग' को सक्रिय भूमिकामा लाभग्राही जनतालाई राख्नु नै सफलतापूर्वक बजेट कार्यान्वयन आरम्भ हुनु हो भनी स्थानीय सरकारले समयमै बुझ्नुपर्छ।

२. आफूलाई फर्केर हेर

नेपालका राजनीतिकर्मी र प्रशासकहरू पछाडि नफर्किने रोगले ग्रसित छन्। यसर्थ, पालिकाहरूलाई प्रत्येक महीनाको १ गतेका दिन वितेको महीनामा के काम भयो भनी समीक्षात्मक बैठक गर्न आग्रह छ। यस्तो बैठकमा आगो माग्न आए झैं आउने र तुरुन्तै फर्किनु भएन। यस समीक्षा बैठकस्थललाई मोबाइल फोन उठाउने थलो बनाउनु पनि भएन। साथै, भत्ता लिन र खाजा खान बैठकमा उपस्थित हुनु भएन। यी सबै कुराको विपरीत गत महीनामा के गर्ने भनिएको थियो र के भयो के भएन ? किन भएन ? के भएमा काम हुन्छ भनी पूरा तयारीका साथ समीक्षा बैठकमा उपस्थित हुन आग्रह गर्दछु।

यस्तो बैठकमा जिम्मेवार जनप्रतिनिधि, राष्ट्रसेवक कर्मचारी, ठेकेदार वा उपभोक्ता समूह वा टोल विकास संस्थाका पदाधिकारी लगायत सरोकारवाला सबैलाई अनिवार्य रूपमा उपस्थित गराउनुपर्छ। यो बजेट कार्यान्वयनको समीक्षा बैठकले 'पाई-पाई हिसाब' गर्नुपर्छ। साथै, यस समीक्षा बैठकले बजेट अपुग भएकोमा बजेट थप गर्ने, रकमान्तर गर्नुपर्ने ठाउँमा रकमान्तर गर्ने, स्रोतान्तर गर्नुपर्ने भए स्रोतान्तर गर्ने र कार्यान्वयन हुनै नसक्ने कार्यक्रम भए रद्द गर्ने म्याण्डेड सहित बैठक बस्नुपर्छ।

यस समीक्षा बैठकमा कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालयबाट निकासा रोकिएको भए फुकुवाको पहल गर्ने जिम्मेवारी तोक्नुपर्छ। अर्को निकायले सहयोग नगरेको भए सहयोगको पहल गर्ने पदाधिकारी पनि तोकिनुपर्छ। यदि, योजना कार्यान्वयन हुने स्थानका जनताले काममा अवरोध गरेको भए सोको समाधानको जिम्मेवारी तोकिनुपर्छ। साथै, फिल्डमा कर्मचारी नखटिएको भए खटिने कर्मचारीको नाम र फिल्डमा पुग्ने अधिकतम दिन तोक्नुपर्छ।

यदि निर्देशिका, कार्यविधि, मापदण्ड नबनेको कारण काम रोकिएको भए सो निर्देशिका पारित भई लागू हुने अधिकतम दिन तोकेर अघि बढ्नु पर्छ। यसैगरी, ठेकेदार, उपभोक्ता समूह, टोल विकास संस्था वा जिम्मेवार अन्य कुनै निकायले लापरवाही गरेको भए निश्चित दिन तोकी चेतावनी दिने र तोकिएको दिनपछि स्वतः ठेक्कापट्टा खारेज हुने निर्णय गर्न सक्नुपर्छ।

यसरी, योजना कार्यान्वयनको चरणमा जान जुन-जुन प्रक्रिया बाँकी छ, तत् प्रक्रिया पूरा गर्ने दिन र जिम्मेवार पदाधिकारी सोही समीक्षा बैठकले तोक्ने प्रबन्ध गर्नुपर्छ। आगामी भदौ १ गतेदेखि असार १ गतेसम्मका ११ महीनाका पहिला ११ दिन मन, वचन र कर्मले पूरै दिन खटिन सक्ने जनप्रतिनिधि र कर्मचारीले आधा जँघार तरें भनेर निश्चिन्त भए हुन्छ।

३. जिम्मेवारी तोक

हाल ७५३ वटा पालिकामध्ये अधिकांश स्थानमा बजेट कार्यान्वयनको जिम्मेवारी मेयर वा अध्यक्ष र प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतले मात्रै वहन गरिरहेका छन्। यसर्थ, जापानिजहरूको कार्य शैली झैं समूह गतिशीलतामा विश्वास राख्न आग्रह छ। जसअनुसार, पालिकाका पूरै योजनालाई सूचीकृत गरी मेयर वा अध्यक्ष, उपमेयर वा उपाध्यक्ष, वडाध्यक्ष, कार्यपालिका सदस्य, वडा सदस्य, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत, योजना अधिकृत, लेखा अधिकृत, प्राविधिक अधिकृत लगायतलाई योजना जिम्मा लगाउने वा स-सानो टिम बनाएर जिम्मेवारी वितरण गर्नुपर्छ। यसबाट सबैले कामको स्वामित्व ग्रहण गर्नेछन्।

यसैगरी, ठेक्का लागेको आयोजनाको पनि जिम्मेवारी(गोठालो) तोकिनुपर्छ। सामान्यतः ठेक्का लगाएपछि, उपभोक्ता समूहलाई जिम्मेवारी दिएपछि, टोल विकास संस्थालाई निकासा पठाएपछि काम सम्पन्न भएको ठान्ने प्रवृत्तिले स्थानीय सरकारहरू बजेट कार्यान्वयनमा असफल भएका हुन्। यथार्थमा, जसलाई कामको जिम्मेवारी दिए पनि त्यसको गोठालो नलागेमा काम बन्दैन भन्ने सामान्य हेक्का राख्न ढिला गर्नुहुँदैन।

आम गाउँवासी वा नगरवासी लाई कार्यक्रमको जानकारी दिन बजेट वक्तव्य पुस्तिका प्रत्येक घरधुरीमा वितरण गर्नुपर्छ। यस विषयमा स्थानीय पत्रपत्रिका, रेडियोबाट व्यापक प्रचार गर्नुपर्छ

४. उत्कृष्टताको हुटहुटी

अधिकांश पालिका आफ्नै कार्यक्रमबाट पुरिएका छन्। प्रत्येक वर्ष करीब ५०० योजना घोषणा नगर्ने पालिका शायदै भेटिएला। यस स्थितिमा संघीय सरकार र प्रदेश सरकारबाट प्रदान गरिएका कार्यक्रम वा योजनाहरू अलपत्र पर्नु स्वाभाविकै हो। यसरी संघ र प्रदेश सरकारबाट हस्तान्तरित बजेटको कार्यान्वयनमा 'खरो उत्रिन' नसक्दा स्थानीय सरकार भुत्ते खुकुरी जस्ता भएका छन्।

यसर्थ, प्रत्येक स्थानीय सरकारले आफू संघ सरकार र प्रदेश सरकारबाट गरिने मूल्यांकनमा उत्कृष्ट ठहरिन्छु भन्ने हुटहुटीका साथ सकारात्मक प्रतिस्पर्धामा उत्रिनुपर्छ। यसै आधारमा दातृ निकाय, गैरसरकारी संस्था, निजी क्षेत्र, नागरिक समाज र पत्रकारिता क्षेत्रले पनि तत् पालिकाप्रतिको धारणा बनाउँछन् भन्ने दिव्य ज्ञान हासिल गर्न जरूरी छ।

५. अवरोधलाई निषेध गर

कुनै पनि पालिकाभित्र बहुविचार हुनु स्वाभाविकै हो। सबैको सबै कुरामा सहमति नहुन सक्छ। तर गाउँ वा नगर सभाबाट पारित भएको वार्षिक कार्यक्रमको कार्यान्वयनमा अवरोध गर्ने विचारलाई निषेध गर्नुपर्छ। पालिका दलीय राजनीति गर्ने ठाउँ होइन, विकासमा जुट्ने र जनतामा सेवा पुऱ्याउने स्थान हो। बहुदलीय व्यवस्था अवलम्बन गरिएको हुँदा निर्वाचनमा प्रतिस्पर्धा गर्नुपर्छ। तर, विकासमा भागबण्डा, सेवा प्रवाहमा तेरो-मेरो र समृद्धिमा किचोला गर्न थालियो भने संघीय शासन प्रणाली माथि नै आँच आउनेछ।

यसरी, हामीभित्र नैतिक इच्छाशक्तिको वातावरण निर्माण गर्न सके बजेटको सफल कार्यान्वयन हुन्छ। जसका लागि आ.व. २०७८/७९ को बजेट वक्तव्यको बुँदागत रूपमा प्रत्येक योजना/आयोजनाको कामको एकीकृत ढंगले विद्युतीय अनुगमनको पहल गर्नुपर्छ। यसबाट दूध र पानी छुट्याएर सद्विचारको कदर र कलुषित विचारको निषेध गरेर अघि बढ्नुपर्छ।

६. नागरिक अनुगमन बढाऊ

यो मुलुकको सार्वभौमसत्ता

वांकी ५ पेजमा...

साप्ताहिक राशिफल

मेष (चु,चे,चो,ला,लि,लु,ले,लो,अ):तपाईका विरोधीहरु परास्त हुनुका साथै मान सम्मान समेत मिल्ने योग रहेको छ। युवकयुवतीहरुका लागि नयां जीवन साथी मिल्ने छ।

वृष (इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो): आर्थिक पक्ष राम्रो रहेकाले व्यपार व्यवसायीवाट राम्रै लाभ मिल्ने तथा पारिवारिक सुख भ्रमणको योग समेत रहेको छ।

मिथुन (क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह) : आफन्त जनसंग खटपट मनमुटाउ गराउंने योग छ। दाम्पत्य तथा प्रेमको विषयमा सामान्य अप्ठ्यारो हुने योग छ।

कर्कट (हि,हु,हे,हो,डा,डि,डु,डे,डो):मनमा अनावश्यक तर्ककुतर्कले डेरा जमाउने योग देखिन्छ। गरेको काम अरुले काट्न सक्ने देखिएकाले विचार पु-याएर काम गर्नु होला।

सिंह (मा,मि,मु,मे,मो,टा,टि,टु,टे): विद्यार्थी वर्गका लागि पढाईमा गहिरो लगाव हुनुका साथै बौद्धिक क्रियाकलापमा सहभागी गराउने योग छ।

कन्या (टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो): शारिरीक अस्वस्थ्यताका साथै आलस्य बढने योग रहेको छ। नाना तरहका अनावश्क विषयले मानसिक तनाव उत्पन्न गराउने देखिन्छ।

तुला (रा,री,रु,रे,रो,ता,ती,तु,ते):परिवारिक चिन्ताले सताउने योग रहेको छ। भने उत्तरार्द्धमा सामान्य वादविवादमा पर्न सम्भावना रहेको छ।

वृश्चिक (तो,ना,नि,नू,ने,नो,या,यि,यू): आर्थिक पक्ष सवल रहेको छ। आत्मबल तथा पराक्रम बढेर जानाले प्रशस्त कार्य सम्पादन गर्ने क्षमता वढ्ने छ।

धनु (यो,भा,भी,भू,ध,फा,ढ,भे): मेवा मिष्ठान्नका परिकार प्राप्त हुने बेला छ। कृषि तथा कृषिजन्य व्यवसायमा लाभ हुनेछ।

मकर (भो,जा,जी,जू,जे,ख,खि,खू,खे,गा,गी):महिनाको पुर्वाधमा मित्रसहयोग,धनागमन तथा मनोरञ्जनको अवसर मिल्नेछ। भने उत्तरार्धमा मान हानि तथा अपमान आउनसक्ने छ।

कुम्भ (गु,गे,गो,सा,सी,सु,से,सो,द):सामाजिक कार्यमा सहभागी हुनुका साथै भोजभतेरमा तथा रमाईलो यात्राको सुवर्ण अवसर मिल्ने योग रहेको छ।

मीन (दी,दु,थ,झ,ञ,दे,दो,च,ची):शत्रुहरुको शिर निहुरिनेछ। भने वाद विवादमा विजय मिल्ने योग रहेको छ। पेट, आंखा तथा सामान्य शारीरिक अस्वस्थता देखापर्नैछ।

केही महत्व पूर्ण टेलिफोन नम्बरहरु

दमकल

बिराटनगर बारुणयन्त्र ४२००००
इटहरी बारुणयन्त्र ५८०१०१
धरान बारुणयन्त्र ५२०१९९
इनरुवा बारुणयन्त्र ५६०१०१
दमक बारुणयन्त्र ०२३-५८०१०१
भद्रपुर बारुणयन्त्र ०२३-५२०१०१

एम्बुलेन्स सेवा

जिविस मोरङ ५३६३५३
नेरिसो रंगेली ५८००४८
बिराटनगर उपमनपा ५२२२३६

अस्पताल

कोशी अ.अ.इमरजेन्सी ५२४२३४
रंगेली अस्पताल ५८००४८
आँखा अस्पताल ५२३७०६
सुरक्षा अस्पताल प्रा.लि.
०२१-५३६९४१, ५२२८७७
एम्बुलेन्स ९८०२७५३७१७,
९८०२७५३७०६

प्रहरी

पूर्वाञ्चल क्षे.प्र.कार्यालय
०२१-४३५००१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय
५३०३५८, ५२३९०१,१००
नगर प्र.का.. बिराटनगर
५२१८५०, ५३०३६७, ११०,
इ.प्र.का. रंगेली
८०१००८०१३०
इ.प्र.का. उर्लाबारी
०२१-५४०००२
सिमा प्रहरी चौकी
०२१-४३५८४०

अबैध समान बरामद

झापा । झापाका दुई छुट्टाछुट्टै स्थानबाट अन्दाजी ७ लाख ७५ हजार रुपैयाँ बराबरको अबैध समान बरामद गरिएको थियो ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय झापाबाट खटिएको प्रहरी टोलीले मेचीनगर नगरपालिका वडा नं. ४ आमडागीबाट शनिवार अन्दाजी २ लाख ७५ हजार रुपैयाँ बराबरको जुस, लत्ता कपडा र सुर्तिजन्य पदार्थ बराबद गरेको हो ।

त्यसैगरी ईलाका प्रहरी कार्यालय काकडभिट्टाबाट खटिएको प्रहरी टोलीले शनिवार मेचीनगर नगरपालिका वडा नं. ६ बाट भारतबाट नेपाल तर्फ अबैध रुपमा भित्र्याउदै गरेको अन्दाजी ५ लाख रुपैयाँ बराबरको कपडा बरामद गरेको थियो ।

अबैध रुपमा बरामद भएको समानहरु आवश्यक कारवाहीको लागी भन्सार कार्यालय काकडभिट्टा बुझाई सकिएको जिल्ला प्रहरी कार्यालय झापाले जनाएको छ ।

ब्राउनसुगर सहित ५ पक्राउ

बिराटनगर । झापा र उदयपुरका दुई छुट्टाछुट्टै स्थानबाट नियन्त्रीत लागुऔषध ब्राउनसुगर सहित ५ जना पक्राउ परेका छन् ।

शनिवार ईलाका प्रहरी कार्यालय अनारमनीबाट खटिएको प्रहरी टोलीले बिर्तामोड नगरपालिका वडा नं. ३ का ३० बर्षीय प्रफुल राजंशीलाई २ ग्राम २३० मिलिग्राम नियन्त्रीत लागुऔषध ब्राउनसुगर सहित पक्राउ गरेको हो । राजवंशीको साथबाट प्रहरीले लागुऔषध सहित डिजिटल काटा १ थान, नगद ५ हजार २ सय ३० रुपैयाँ र बिभिन्न कम्पनीको ४ थान मोबायल समेत बरामद गरेको थियो ।

त्यसैगरी उदयपुरको ईलाका प्रहरी कार्यालय रामपुर ठोक्सिलाबाट खटिएको प्रहरी टोलीले बेलका नगरपालिका वडा नं. ९ बाट लागुऔषध ब्राउनसुगर सहित ४ जनालाई पक्राउ गरेको थियो ।

विशेष सूचनाको आधारमा खटिएको प्रहरी टोलीले शनिवार ७५ मिलिग्राम लागुऔषध ब्राउनसुगर सहित स्थानिय ३६ बर्षीय दिनेश खड्का, बेलका नगरपालिका वडा नं. २ का ३७ बर्षीय बिनोद परियार, बेलका नगरपालिका वडा नं. ७ का २८ बर्षीय मेजरमान राई र २९ बर्षीय बोगटी भनिने जिवन राई लाई पक्राउ गरेको हो ।

लागुऔषध सहित पक्राउ परेका उनीहरुको सम्बन्धमा प्रहरीले थप अनुसन्धान गरिरहेको छ ।

करेन्ट लागेर दुइ जनाको मृत्यु

सुनसरी । सुनसरीका दुई छुट्टाछुट्टै स्थानमा करेन्ट लागेर दुई जनाको मृत्यु भएको छ । बराहक्षेत्र नगरपालिका वडा नं २ का २९ बर्षीय कृष्ण घिमिरेको शनिवार दिउँसो करेन्ट लागेर मृत्यु भएको थियो ।

आफ्नै घर वरीपरी हात्ती रोक्नका लागी लगाईएको फलामको तारमा छुँदा अचानक करेन्ट लागेर घाईते भएका घिमिरेको उपचारको क्रममा बि.पी. कोईराला स्वास्थ्य बिज्ञान प्रतिस्ठान धरानमा मृत्यु भएको थियो ।

त्यसैगरी ईटहरी उपमहानगर पालिका वडा नं. १७ का मनोज खत्रीको पनि करेन्ट लागेर मृत्यु भएको छ । शनिवार घर नजिकै रहेको माछा पोखरीमा करेन्ट लगाई माछा मार्ने क्रममा अचानक आफैलाई करेन्ट लागेर घाईते भएका खत्रीलाई उपचारको लागी बिराट टिचिङ हस्पिटल बिराट नगर लगिएकोमा उपचारको क्रममा मृत्यु भएको थियो ।

घटना सम्बन्धमा प्रहरीले थप अनुसन्धान गरिरहेको छ ।

कोरोना (COVID–19) भाइरसका बारेमा जनहितमा जारी सूचना

१. *कसरी सर्छ कोरोना भाईरस ?*
- क) नाकबाट निस्कने सिगानबाट, ख) फोहरहातबाट,
- ग) राम्रो संग नपाकेको माछा, मासु र तरकारीबाट,
- घ) भाइरसबाट प्रभावित व्यक्तिको सम्पर्कबाट

२. *कोरोना भाइरसका लक्षण के-के हुन सक्छन् ?*
- क) सिगान बगिरहनु, ख) घाँटी सुक्नु तथा दुख्नु,
- ग) पखाला लाग्नु, घ) वान्ता हुनु,
- ङ) लगातार टाउँको दुख्नु, च) लगातार ज्वरो आउनु,
- छ) सास फेर्न गाह्रो हुनु ।

3. *यसबाट बच्न के-के गर्ने ?*
- क) साबुन पानीले राम्रो संग हात धुने,
- ख) खानेकुरा धोइपखाली राम्रोसंग पकाउने,
- ग) मास्क प्रयोग गर्ने, घ) भिडभाडमा नजाने,
- ङ) सकभर होटल, रेष्टुरेन्टको खाना नखाने
- च) चरा, मूसा, बिरालो, कुकुर जस्ता जनावरबाट टाढा रहने ।

धनपालथान गाउँपालिका मोरंग प्रदेश नं. १

रामायण का इतिहास, भारतके अलावा
इस ग्रंथकी दुसुरे देशों में वर्तमान महत्व और स्तिथि

भारतीय साहित्य में किसी अन्य ग्रंथ ने भारतीय जनमानस को इतना ज्यादा प्रभावित नहीं किया जितना रामायण ने, संसार के संपूर्ण साहित्य में रामायण के अलावा अन्य किसी महाकाव्य शताब्दियों तक किसी राष्ट्र की विचारधारा को इतना गहरा प्रभावित नहीं किया है रामायण का इतिहास जितना दिलचस्प है उतना ही कौतूहल उत्पन्न करता है ऋग्यलतभलतक रामायण वाल्मीकि रामायण तुलसी रामायण रामायण दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में रामायण रामायण का मूल अर्थ है राम का अयन जिसका मतलब होता है राम की यात्रा पथ, मूल रूप से यह राम की दो विजय यात्राओं पर आधारित है जिसमें प्रथम यात्रा प्रेम-,सहयोग हास-परिहास और आनंद-उल्लास से भरी हुई है जबकि दूसरी यात्रा दुख, दर्द, वियोग, व्याकुलता और वेदना से भरी हुई है दूसरी यात्रा को ही राम कथा का मूल आधार माना जाता है २४ हजार श्लोकों से भरे आदिकवि वाल्मीकि का संस्कृत में लिखा रामायण जितना बड़ा महाकाव्य है उसका इतिहास उतना ही दिलचस्प है ।

हिंदू स्मृति के इस महान काव्य में त्रेता युग में अवतरित रघुकुल के राजा राम की गाथा कही गई है इतिहासकारों और साहित्यकारों का मानना है कि वाल्मीकि ने रामायण की रचना तीसरी शताब्दी में की थी माना जाता है कि महर्षि वाल्मीकि के रामायण लिखने से पहले इक्ष्वाकु वंश के सुतो ने राम से जुड़ी कहानियों का प्रचलन शुरू कर दिया था, जो चौथी शताब्दी तक कुछ-कुछ प्रचलित हो गई थी महर्षि वाल्मीकि ने उन कहानियों को ही आधार बनाकर रामायण की रचना की वाल्मीकि रचित आदि रामायण में अयोध्या कांड से युद्ध कांड जिसे लंका कांड भी कहा जाता है तक कि चर्चा थी जबकि बालकांड और उत्तरकांड बाद में जोड़ा गया शुरुआत में आदि रामायण का कोई प्रमाणित लिखित रूप नहीं मिलता है ।

वह कई शताब्दियों तक मौखिक रूप से ही प्रचलित रही, जिसे बाद में लिखा गया विकास के पहले चरण में राम आदर्श क्षत्रिय के रूप में भारतीय जनमानस के सामने पेश किए गए लेकिन समय के साथ-साथ रामायण की लोकप्रियता बढ़ती गई और इसके साथ ही राम का महत्व भी बढ़ने लगा कृष्ण की भांति राम भी पहली शताब्दी में विष्णु के अवतार के रूप में स्वीकार किए जाने लगे इसी तरह विकास के रूप में दूसरे चरण में राम कथा का आदर्श क्षत्रिय राम का चरित्र ना रहकर विष्णु की अवतार लीला के रूप में बदल गया राम को विष्णु का अवतार माना जाने लगा और राम भक्ति का प्रचलन शुरू हुआ राम भक्ति का प्राचीन उल्लेख तमिल अलवरओं की रचनाओं में मिलता है १२वीं शताब्दी में रामानुज संप्रदाय में राम भक्ति की रचना शुरू हुई और आगे चलकर रामानंद और रामावत संप्रदाय में राम भक्ति जनमानस की धार्मिक चेतना का केंद्र बन गई है इससे प्रभावित होकर उनकी रामायणओं की रचना हुई १४वीं शताब्दी से पूरा भारतीय राम कथा साहित्य भक्ति भाव से भर गया, हालांकि रामायण का मुख्य उद्देश्य शताब्दियों तक साहित्य की रहा १४वीं शताब्दी से यह पूर्ण रूप से धार्मिक हो गया और राम भक्ति की संपूर्ण कथा वस्तु है एक नए नजरिए से प्रस्तुत की गई यह राम कथा और रामायण के विकास का तीसरा चरण था ।

यहां राम विष्णु के अवतार लीला मात्र ना रहकर भगवान राम के गुण कीर्तन में बदल गए इसी तरह रामायण और राम कथा के अनेक रूप धारण करते हुए धीरे-धीरे संपूर्ण भारतीय संस्कृति में रच-बस गए जब संस्कृति बोलचाल की भाषा नहीं रही तो कवियों और संतों ने इसे अपनी-अपनी बोलचाल और प्रदेश की भाषाओं में लिखा, दक्षिण की भाषाओं में रंगनाथ रामायण तेलुगू में लिखी गई रामायण को महर्षि कमर ने तमिल में, रामानुजन ने मलयालम में और नाकचंद्र ने कन्नड़ में से लिखा पूर्व में महाकवि क्रितिवाश इसे बांग्ला भाषा में लिखा, महाराष्ट्र में संत एकनाथ ने इसे मराठी में लिखा और उत्तर में गोस्वामी तुलसीदास ने अवधी में लिखा लोकहित का भाव रामायण का सबसे मूल तत्व है सीता का पतिव्रता, राम का आज्ञा पालन भारत और लक्ष्मण का भाई प्रेम, दशरथ की सत्य साधना, कौशल्या के आदर्शों ने रामायण का चरित्रवान और कल्याणकारी रूप पेश किया और सबसे बढ़कर असत्य पर सत्य की विजय ने रामायण को देश और दुनिया का सबसे महान काव्य बना दिया ।

भारतीय संस्कृति में अवतारवाद की उत्पत्ति और रामायण की लोकप्रियता का काफी गहरा संबंध है रामायण का इतिहास यह दर्शाता है कि वैदिक काल से ही मर्यादा पुरुषोत्तम राम हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के अभिन्न अंग रहे हैं और बुराई पर अच्छाई के प्रतीक है कहते हैं हरि अनंत हरि कथा अनंत सबसे पहले श्री राम की कथा हनुमान जी ने लिखी थी फिर महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के बाद लाभ से जुड़े हजारों कथाएं प्रचलन में आई है सभी कथाएं भगवान राम से ही जुड़ी हुई है और सभी कथाओं में थोड़े बहुत बदलाव के साथ मूल में राम ही है आइए जानते हैं कि हर कोने में पूजे जाने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की कथा रामायण को भारत में किन किन भाषाओं में लिखा गया और उनकी विशेषता क्या है? वाल्मीकि रामायण अलग-अलग रूपों में देखने पर रामायण करीब ३०० से लेकर १००० तक की संख्या में अनेक रूपों में मिलती है संस्कृत में रचित वाल्मीकि रामायण जिसे आस रामायण भी कहा जाता है सबसे प्राचीन मानी जाती है वाल्मीकि रामायण संस्कृत भाषा में छन्दो में लिखा गया है इसमें श्री राम के चरित्र का उत्तम और विराट रूप का काव्य रूप में वर्णन है महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित होने के कारण इसे वाल्मीकि रामायण भी कहा जाता है ।

वाल्मीकि रामायण को पढ़ कर ऐसा नहीं लगता मानो उन्होंने श्री राम के बारे में जो कुछ भी देखा और सुना उसे वेदों की भाषा में अंकित किया है मौजूदा वक्त में राम के चरित्र पर आधारित जितने भी ग्रंथ उपलब्ध हैं उन सभी का मूल महर्षि वाल्मीकि की लिखी गई रामायण से लिया गया है तुलसी रामायण स्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस उत्तर भारत में सबसे ज्यादा प्रचलित है श्रीरामचरितमानस अवधी भाषा में गोस्वामी तुलसीदास ने ञ्नठवीं सदी में लिखी थी जो एक महाकाव्य है इसे तुलसी रामायण कहा जाता है रामचरितमानस भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान रखता है शारदीय नवरात्रि में इसके सुंदरकांड का पाठ पूरे ढ दिन किया जाता है राम की कथा को वाल्मीकि के लिखने के बाद दक्षिण भारतीय लोगों ने अलग तरीके से लिखा रामायण कई भारतीय भाषाओं में लिखी गई है हिंदी में ही कम से कम ११, मराठी में ८, बंगला में २५, तमिल में १२, तेलगु में १२, और उड़िया में ६ अलग-अलग राम कथा मिलती है इसके अलावा संस्कृत, गुजराती, मलयालम, उर्दू, अरबी और फारसी भाषाओं में भी राम कथा लिखी गई है मौजूदा समय में प्रचलित बहुत ही राम कथाओं में आर्स रामायण, अद्भुत रामायण, कृतिवास रामायण, बीलंका रामायण, मैथिल रामायण, सर्वार्थ रामायण, तत्वार्थ रामायण, प्रेम रामायण, संजीवनी रामायण, उत्तररामचरितम्, रघुवंशम, अध्यात्म रामायण, राधेश्याम रामायण, श्री राघवेंद्र चरितम, मंत्र रामायण, योग वशिष्ठ रामायण और जानकीहरणम् प्रमुख है रामायण दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में भारतीय संस्कृति के भगवान राम दक्षिण पूर्व एशिया के मुस्लिम देशों की संस्कृति में भी रचे बसे हैं आसियान देशों में रामायण और राम कथा अनेक रूपों में प्रचलित है, और लोकजीवन से इतनी गहराई तक जुड़ी हुई है कि राम कथा इन देशों की संस्कृति का अभिन्न अंग बन गई है ।

रामायण आज सिर्फ भारत की ही धरोहर नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में खासकरआसियान देशों के सामाजिक, संस्कृतिक ताने-बाने का अहम हिस्सा है अलग-अलग देशों में रामायण के अलग-अलग रूप है फिलीपींस में रामायण फिलीपींस में राम कथा का इतिहास बेहद दिलचस्प है यहां ञ्नघवीं सदी में राम कथा समाज के बीच पहुंची और भली-भांति राजबस गई यहां की राम कथा और उसके पात्रों का स्वरूप वाल्मिकी के रामायण से थोड़ा अलग हैफिलीपींस की रामायण में भी असत्य पर सत्य की विजय दिखाई गई है थाईलैंड में रामायण थाईलैंड में राम कथा राम कीर्ति के नाम से मशहूर है थाईलैंड में यह मान्यता है कि रामायण की घटना स्थल और उत्पत्ति उनकी ही देश में हुई थी प्राचीन काल से ही वहां नाटकों में रामकथा का महत्वपूर्ण स्थान रहा है थाईलैंड में आज संवैधानिक रूप में रामराज्य है वहां के सभी राजा अपने को रामवंशी मानते हैं म्यानमार में रामायण म्यानमार में ईसा पूर्व के ही रामायण पहुंच चुकी थी लेकिन ञ्नठवीं शताब्दी से पहले कि कोई भी साहित्य पुस्तक उपलब्ध नहीं है ञ्नडवीं सदी में यूं तो थाईलैंड की राम कथा के आधार पर ही राम यागन की रचना की जो बर्मा का सबसे लोकप्रिय महाकाव्य माना जाता है म्यानमार की रामायण में सीता हरण काफी लोकप्रिय है ।

कंबोडिया में रामायण इतिहासकारों का मानना है कि पहली शताब्दी से भारतीय व्यापारी कंबोडिया आने लगे थे और उन्होंने ही रामायण और भारतीय संस्कृति का कंबोडिया प्रचार प्रसार किया ढवीं और ञ्नघवीं शताब्दी के बीच कंबोडिया की प्राचीन राजधानी अंकोरवाट के मंदिरों पर रामायण और महाभारत के बहुत से शीला चित्र अंकित है कंबोडिया के रामायण को राम कीर्ति कहते है इसमें सीता जनक की दत्तक पुत्री मानी गई है और राम के त्याग दिए जाने पर वाल्मीकि के आश्रम में निवास करती है यहां की रामायण में भी असत्य पर सत्य की जीत दिखाई गई है ।

मलेशिया में रामायण मुस्लिम देश होने पर भी मलेशिया में भारतीय संस्कृति का गहरा प्रभाव रहा है मलेशिया में रामायण का प्रचार अभी तक है मलई यानी पुराने मलेशिया में रामायण के साहित्य पाठ हिकायत श्री राम के नाम से प्राप्त होते हैं हिकायत श्री राम ग्रंथ में रावण के चरित्र से लेकर राम जन्म, सीता जन्म, राम-सीता विवाह, राम वनवास, सीता हरण, युद्ध और राम-सीता मिलन तक की कथा है ।

इंडोनेशिया में रामायण इंडोनेशिया में रामायण का प्रचार प्राचीन काल से ही हो चुका था इसका प्रमाण ९वीं शताब्दी में वहां की शिव मंदिर के दीवारों के चित्रों से मिलता है यहां की रामायण पर बौद्ध धर्म की शैलियों का प्रभाव है ढवीं शताब्दी तक जावा में रावण, लंका, भारत, राम, सीता नाम प्रचलित हो चुके थे रामायण का व्यापक प्रचार-प्रसार और स्वीकार्यता यह दर्शाता है कि रामायण ना केवल भारतीय समाज के लिए प्रासंगिक है बल्कि पूरी दुनिया के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण और प्रासंगिक है और यही इस महाकाव्य की महानता का सबसे बड़ा उदाहरण है ।

भारतीय साहित्य में किसी अन्य ग्रंथ ने भारतीय जनमानस को इतना ज्यादा प्रभावित नहीं किया जितना रामायण ने, संसार के संपूर्ण साहित्य में रामायण के अलावा अन्य किसी महाकाव्य शताब्दियों तक किसी राष्ट्र की विचारधारा को इतना गहरा प्रभावित नहीं किया

बांकी अन्तिम पेजमा...

क्राइम अपरेशन
Crime Operation साप्ताहिक

अदालतबाट सजाय पाएका फरार प्रतिवादी पक्राउ

बिराटनगर । बैकिङ कसुर तथा कर्तव्य ज्यान मुद्दामा कैद तथा जरिवाना फैसला भई फरार रहँदै आएका २ जना फरार प्रतिवादीलाई पक्राउ गरि सम्बन्धीत अदालतमा उपस्थित गराईएको छ ।

बैकिङ कसुर मुद्दामा सम्मानित जिल्ला अदालत सुनसरीको २०७७ माघ २६ गतेको फैसलाले ३ दिन कैद र १ लाख ५२ हजार जरिवाना फैसला भएका रामधुनी नगरपालिका वडा नं. ८ का ३३ बर्षीय दिवस कुमार चौधरीलाई १ नम्बर प्रदेश प्रहरी कार्यालय बिराटनगरको सादा पोशाकमा खटिएको प्रहरी टोलीले पक्राउ गरेको थियो ।

त्यसैगरी कर्तव्य ज्यान मुद्दामा सम्मानीत जिल्ला अदालत चितवनको २०७७ माघ १२ गतेको फैसलाले १६ वर्ष ८ महिना कैद र ५ लाख जरिवाना तोकिएका फरार प्रतिवादी बुढानिलकण्ठ-४ काठमाण्डौका १९ वर्षीय पासीकोट गुरुङलाई जिल्ला प्रहरी कार्यालय झापाबाट खटिएको प्रहरी टोलीले आईतवार सुनसरीको तरहराबाट पक्राउ गरेको थियो ।

पक्राउ परेका दुबै जनालाई तोकिएको कैद तथा जरिवाना भुक्तानको लागी सम्बन्धीत जिल्ला अदालतमा बुझाएको छ ।

आषाढ महिनाको सर्वोत्कृष्ट प्रहरी

बिराटनगर । जिल्ला प्रहरी कार्यालय ईलाम अपराध अनुसन्धान दरबन्दी भई सोही कार्यालयमा कार्यरत प्रहरी निरीक्षक किशोर तामाङ असार महिनाको सर्वोत्कृष्ट प्रहरी घोषित भएको छ ।

विभागिय मुल्य-मान्यता, आदेश-निर्देशनको पालना गरी व्यवसायिक, लगनशील र कर्तव्यनिष्ट तवरले कर्तव्यपथमा तल्लीन रही उच्च मनोवल र साहसका साथ आफ्नो कर्तव्य निर्वाह गरी अपराध अनुसन्धानको क्षेत्रमा विशेष योगदान पुऱ्याउनुको साथै कर्तव्य ज्यान जस्तो जघन्य प्रकृतिका अपराध गरी वारदात पश्चात फरार रहेका प्रतिवादी हरुलाई तत्काल घटनास्थलमा खटि अनुसन्धान पश्चात पक्राउ गर्न सफल भएका थिए ।

त्यसैगरी अपराधीहरुलाई कानूनी कारवाहीको दायरामा ल्याउन महत्वपूर्ण भुमिका निर्वाह गर्नुका साथै आम नागरिकहरुमा सुरक्षाको अनुभूति हुने गरी नागरिक समक्ष प्रहरीको छवि उच्च बनाउने तर्फ प्रशंसनीय कार्य गरेकोले तामाङलाई सम्मान गरेको हो ।

प्रहरी निरीक्षक किशोर तामाङले गरेको उत्कृष्ट कार्यसम्पादनको उच्च मुल्याङकन गर्दै २०७८ साल असार "महिनाको सर्वोत्कृष्ट प्रहरी" घोषणा गरिएको हो ।

सर्वोत्कृष्ट हुने प्रहरी कर्मचारी लाई पुरस्कृत गरी उत्कृष्ट कार्यको विवरण सहितको फ्लेक्स प्रिण्ट गरेर १ नम्बर प्रदेश प्रहरी कार्यालय बिराटनगरमा निर्माण गरिएको स्तम्भ तथा १ नम्बर प्रदेश अन्तर्गत रहेका इलाका प्रहरी कार्यालय 'क' स्तरसम्मका प्रहरी कार्यालयहरुमा १ महिना सम्म राखिदै आईएको छ ।

धारिलो खुकुरी प्रहार गरी हत्या

उदयपुर । उदयपुर त्रियुगा नगरपालिका वडा नं. १३ पोर्ताहा का ४५ वर्षीय मेमोरी भन्ने किसन सदाले त्रियुगा नगरपालिका वडा नं. ८ उत्राईटोल का ६५ वर्षीय महिकर चौधरीलाई खुकुरी प्रहार गरि हत्या गरेको थियो ।

बुधबार हत्या गरेको जानकारी प्राप्त हुन साथ जिल्ला प्रहरी कार्यालय उदयपुरबाट प्रहरी टोली खटि गई खुकुरी सहित सदालाई नियन्त्रणमा लिईएको थियो ।

सदा चौधरीको घरमा काम गर्ने गरेको र सामान्य बिबादको कारण चौधरीको घरमानै खुकुरी प्रहार गरी हत्या गरेको प्रारम्भिक अनुसन्धानबाट खुलेको छ । घटना सम्बन्धमा थप अनुसन्धान भईरहेको छ ।

कोरोना (C0VID–19) भाइरसका बारेमा जनहितमा जारी सूचना

१. कसरी सर्छ कोरोना भाईरस ?

क) नाकबाट निस्कने सिगानबाट, ख) फोहरहातबाट,
ग) राम्रो संग नपाकेको माछा, मासु र तरकारीबाट,
घ) भाइरसबाट प्रभावित व्यक्तिको सम्पर्कबाट

२. कोरोना भाइरसका लक्षण के–के हुन सक्छन्

क) सिगान बगिरहनु, ख) घाँटी सुक्नु तथा दुख्नु,
ग) पखाला लाग्नु, घ) वान्ता हुनु,
ङ) लगातार टाउँको दुख्नु, च) लगातार ज्वरो आउनु,
छ) सास फेर्न गाह्रो हुनु ।

३. यसबाट बच्न के–के गर्ने ?

क) साबुन पानीले राम्रो संग हात धुने,
ख) खानेकुरा धोइपखाली राम्रोसंग पकाउने,
ग) मास्क प्रयोग गर्ने, घ) भिडभाडमा नजाने,
ङ) सकभर होटल, रेष्टुरेन्टको खाना नखाने
च) चरा, मुसा, बिरालो, कुकुर जस्ता जनावरबाट टाढा रहने ।

कटहरी गाउँपालिका मोरंग प्रदेश नं. १

प्रदेश १ को प्रहरी कार्यालयबाट चालीस करोड भन्दा बढीको राजश्व संकलन

१.	अपराध तथ्याङ्क	२०७४/७५	२०७५/७६	२०७६/७७	२०७७/७८
	मुद्दा दर्ता संख्या	७८०८	७५०९	७०९१	७३८४
	फछ्र्यौट संख्या	७७००	६९६६	७१५१	३७०९
	बाँकी संख्या	१०८	५४३	२९४०	३६७५
२.	फैसला कार्यान्वयन तर्फ	२०७४/७५	२०७५/७६	२०७६/७७	२०७७/७८
	फरार अपराधी पक्राउ संख्या	१३८५	१५३३	९७०	७४३
	असुल उपर गरेको कैद (वर्ष)	५७३	७५८	३९३	७३५
	असुल उपर गरेको जरिवाना (रु.)	३,७१,३८,७५७/-	२,९१,९४,६३१/-	२,५३,०२,३५०/-	४,४३,५८,९२७/-
३.	भन्सार चोरी निकासी नियन्त्रण तर्फ	२०७४/७५	२०७५/७६	२०७६/७७	२०७७/७८
	राजश्व संकलन (रु.)	९,०१,८८,७०९/-	५,१६,२१,७७४/-	१२,५५,३९,८२८/-	१९,०१,५८,२१२/-
	मानिस पक्राउ	१७८	७१	९८	१९०
४.	नदिजन्य पदार्थको अवैध दोहन नियन्त्रण तर्फ	२०७४/७५	२०७५/७६	२०७६/७७	२०७७/७८
	राजश्व संकलन (रु.)	१३,१६,०००	२३,८५,०००	१६,९६,०००	६५,७५,३००/-
	मानिस पक्राउ	१०५	१३१	६३	१७०
	सवारी साधन पक्राउ	१५५	३००	१७७	७८५
५.	अवैध काठ चोरी निकासी नियन्त्रण तर्फ	२०७४/७५	२०७५/७६	२०७६/७७	२०७७/७८
	राजश्व संकलन (रु.)	९,१०,३१०	८,७७,५३०	१६,११,९३०	७०,३८,७८७/-
	मानिस पक्राउ	११	१८	१६	७०
	पक्राउ परिमाण (क्यू.फिट)	८१७	१४५५	६३९	३२६१
६.	ट्राफिक कार्य सम्बन्धी	२०७४/७५	२०७५/७६	२०७६/७७	२०७७/७८
	सवारी कारवाही संख्या	२,६८,६९०	२,५१,७७७	२,२८,९१०	२५४३९४
	राजश्व संकलन (रु.)	१६,९६,०१,०००	१६,७५,९८,५००	१४,५७,३९,५००	१५,९७,११,०००/-
	दुर्घटना संख्या	१२७९	१२१८	१३२२	[illegible]
	मानवीय क्षति (मृत्यु)	४२४	३७३	३३२	३६८
	मानवीय क्षति (घाइते)	१०७१	४३६	११००	[illegible]
७.	लागुऔषध नियन्त्रण तर्फ	२०७४/७५	२०७५/७६	२०७६/७७	२०७७/७८
	गाँजा (किलोग्राम)	२७४८.३९५	२५९२.५९७	३११.८६७	१७८९.१११
	चरेश (ग्राम)	०	१८,५११	०.६१	१३,८६०
	अफिम (ग्राम / बोट)	०	०	१,५००	२०००
	ब्राउनसुगर (ग्राम)	२,२१२	३,६३०	२,६१०	३,५१६
	विभिन्न मनोदिपक प्रकार क्याप्सुल	१०,८५७	२७,५३४	३४,५६६	५०,२५५
	विभिन्न मनोदिपक सुई (एम्पुल)	१०,५९७	२२,८७६	१३,४९३	१०,३५८
	अन्य विभिन्न मनोदिपक औषधीहरु	१७६	९,३१३	३,३२०	२,४८३
८.	गाँजा खेती नष्ट गर्ने तर्फ	२०७४/७५	२०७५/७६	२०७६/७७	२०७७/७८
	गाँजा बोट नष्ट गरेको (बोट)	५७,२९२	२,६२,२९२	१९,२८,६३४	८,७६,८६३
	नष्ट गरेको क्षेत्रफल (रोपनी)	११२	७५१	२८००	२४२३

बिराटनगर । प्रदेश नं. १ प्रहरी कार्यालय मातहतमा रहेका प्रहरी कार्यालयहरुबाट २०७७ श्रावन देखि २०७८ आषाढ मसान्त सम्म ४० करोड भन्दा बढी राजश्व संकलन गरेको छ ।

संगठन प्रमुख प्रहरी महानिरीक्षक र प्रदेश प्रहरी प्रमुख प्रहरी नायव महानिरीक्षक तथा प्रदेश प्रहरी प्रमुख र प्रदेशका १४ वटै जिल्लाका प्रहरी प्रमुखहरु बिच कार्य सम्पादन सम्झौताको प्रभावकारी कार्यान्वयन हुँदा सो अवधिमा ७ हजार ३ सय ८४ मुद्धा दर्ता समेत दर्ता भएको छ ।

संगठन प्रमुखको निर्देशनलाई पालना गर्ने र गराउने तर्फ विशेष ध्यान दिई समाजमा हुने अपराधीक घटना, फैसला कार्यान्वयन, भन्सार चोरी निकासी, नदिजन्य पदार्थ अबैध दोहन, अबैध काठ चोरी निकाशी र ट्राफिक ब्यवस्थापनमा प्रभावकारी रुपमा प्रहरी परिचाल भए अनुसार उल्लेख्य मात्रामा सफलता प्राप्त भएको छ ।

आर्थिक बर्षको १२ महिना अवधीमा ७ हजार ३ सय ८४ वटा बिभिन्न अपराध सम्बन्धी मुद्धा दर्ता भई कारवाही गरिसकिएको छ भने फैसला कार्यान्वयन तर्फ बिभिन्न अपराधमा सजाय तथा जरिवाना फैसला भई फरार रहदै आएका ७४३ जना फरार प्रतिवादी पक्राउ गरी ७३५ बर्ष कैद भुक्तान भई, ४ करोड ४३ लाख ५८ हजार ९ सय २७ रुपैयाँ राजश्व संकलन गरिएको छ ।

त्यसैगरी लागुऔषध नियन्त्रण तर्फ बिशेष ध्यान दिई ब्यापक रुपमा प्रहरी परिचालन गरे अनुसार ३ हजार ५ सय १६ ग्राम लागुऔषध ब्राउनसुगर बरामद भएको छ भने १७८९.१११ केजी गाँजा बरामद भएको छ ।

बिभिन्न मनोद्विपक क्याप्सुल ५० हजार २५५ ट्याब्लेट बरामद भएको तथा मनोद्विपक सुई१० हजार ३५८ एम्पुल बरामद भएको छ। अन्य बिभिन्न किसिमका मनोद्विपक औषधीहरु २ हजार ४ सय ८३ ट्याब्लेट बरामद भएको छ।

त्यसैगरी २ हजार ४२३ रोपनीमा लगाएको गाँजा खेती फडानी गरी ८ लाख ७६ हजार ८६३ गाँजाका बोट नष्ट गरिएको छ। भन्सार चोरी निकाशी तर्फ अवैध रुपमा समान चोरी निकाशी गर्ने १ सय ९० जना मानिस पक्राउ गर्नुका साथै १९ करोड १ लाख ५८ हजार २ सय१२ रुपैयाँ राजश्व संकलन भएको छ।

नदिजन्य पदार्थको अवैध रुपमा दोहन गर्ने१७० जना मानिस र ७८५ वटा नदिजन्य पदार्थ उत्खनन गर्ने र ओसार पसार गर्ने सवारी साधनलाई पक्राउ गर्नुका साथै ६५ लाख ७५ हजार ३ सय राजश्व संकलन भएको छ। अबैध काठ चोरी निकासी गर्ने ७० जना मानिस पक्राउ गर्नुका साथै ३ तीन हजार २ सय ६१ क्यू.फिट. काठ बरामद गरी ७० लाख ३८ हजार ७ सय ८७ रुपैयाँ राजश्व संकलन भएको छ।

त्यसैगरी ट्राफिक ब्यवस्थापन तर्फ ट्राफिक नियम उलंघन गर्ने २ लाख ५४ हजार ३९४ वटा सवारी साधनलाई कारवाही गर्दा १५ करोड ९७ लाख ११ हजार राजश्व संकलन भएको छ ।

आर्थिक बर्षको श्रावण देखी असार मसान्त सम्ममा ७ हजार ३ सय ८४ मुद्धा दर्ता भई ४० करोड ७८ लाख ४२ हजार ३१७ राजश्व संकलन भएको छ ।

बिराटनगर । प्रदेश नं. १ प्रहरी कार्यालय मातहतमा रहेका प्रहरी कार्यालयहरुबाट २०७७ श्रावन देखि २०७८ आषाढ मसान्त सम्म ४० करोड भन्दा बढी राजश्व संकलन गरेको छ ।

संगठन प्रमुख प्रहरी महानिरीक्षक र प्रदेश प्रहरी प्रमुख प्रहरी नायव महानिरीक्षक तथा प्रदेश प्रहरी प्रमुख र प्रदेशका १४ वटै जिल्लाका प्रहरी प्रमुखहरु बिच कार्य सम्पादन सम्झौताको प्रभावकारी कार्यान्वयन हुँदा सो अवधिमा ७ हजार ३ सय ८४ मुद्धा दर्ता समेत दर्ता भएको छ ।

संगठन प्रमुखको निर्देशनलाई पालना गर्ने र गराउने तर्फ विशेष ध्यान दिई समाजमा हुने अपराधीक घटना, फैसला कार्यान्वयन, भन्सार चोरी निकासी, नदिजन्य पदार्थ अबैध दोहन, अबैध काठ चोरी निकाशी र ट्राफिक ब्यवस्थापनमा प्रभावकारी रुपमा प्रहरी परिचाल भए अनुसार उल्लेख्य मात्रामा सफलता प्राप्त भएको छ ।

आर्थिक बर्षको १२ महिना अवधीमा ७ हजार ३ सय ८४ वटा बिभिन्न अपराध सम्बन्धी मुद्धा दर्ता भई कारवाही गरिसकिएको छ भने फैसला कार्यान्वयन तर्फ बिभिन्न अपराधमा सजाय तथा जरिवाना फैसला भई फरार रहदै आएका ७४३ जना फरार प्रतिवादी पक्राउ गरी ७३५ बर्ष कैद भुक्तान भई, ४ करोड ४३ लाख ५८ हजार ९ सय २७ रुपैयाँ राजश्व संकलन गरिएको छ ।

त्यसैगरी लागुऔषध नियन्त्रण तर्फ बिशेष ध्यान दिई ब्यापक रुपमा प्रहरी परिचालन गरे अनुसार ३ हजार ५ सय १६ ग्राम लागुऔषध ब्राउनसुगर बरामद भएको छ भने १७८९.१११ केजी गाँजा बरामद भएको छ ।

बिभिन्न मनोद्विपक क्याप्सुल ५० हजार २५५ ट्याब्लेट बरामद भएको तथा मनोद्विपक सुई १० हजार ३५८ एम्पुल बरामद भएको छ। अन्य बिभिन्न किसिमका मनोद्विपक औषधीहरु २ हजार ४ सय ८३ ट्याब्लेट बरामद भएको छ।

त्यसैगरी २ हजार ४२३ रोपनीमा लगाएको गाँजा खेती फडानी गरी ८ लाख ७६ हजार ८६३ गाँजाका बोट नष्ट गरिएको छ। भन्सार चोरी निकाशी तर्फ अवैध रुपमा समान चोरी निकाशी गर्ने १ सय ९० जना मानिस पक्राउ गर्नुका साथै १९ करोड १ लाख ५८ हजार २ सय १२ रुपैयाँ राजश्व संकलन भएको छ।

नदिजन्य पदार्थको अवैध रुपमा दोहन गर्ने१७० जना मानिस र ७८५ वटा नदिजन्य पदार्थ उत्खनन गर्ने र ओसार पसार गर्ने सवारी साधनलाई पक्राउ गर्नुका साथै ६५ लाख ७५ हजार ३ सय राजश्व संकलन भएको छ। अबैध काठ चोरी निकासी गर्ने ७० जना मानिस पक्राउ गर्नुका साथै ३ तीन हजार २ सय ६१ क्यू.फिट. काठ बरामद गरी ७० लाख ३८ हजार ७ सय ८७ रुपैयाँ राजश्व संकलन भएको छ।

त्यसैगरी ट्राफिक ब्यवस्थापन तर्फ ट्राफिक नियम उलंघन गर्ने २ लाख ५४ हजार ३९४ वटा सवारी साधनलाई कारवाही गर्दा १५ करोड ९७ लाख ११ हजार राजश्व संकलन भएको छ ।

आर्थिक बर्षको श्रावण देखी असार मसान्त सम्ममा ७ हजार ३ सय ८४ मुद्धा दर्ता भई ४० करोड ७८ लाख ४२ हजार ३१७ राजश्व संकलन भएको छ ।

पहिरोले पुरेर मजदुरको मृत्यु

पाँचथर । पाँचथर हिलिहाङ गाऊपालिका वडा नं. ५ सुभाङ स्थित मध्यपहाडी लोकमार्गमा रोडकै काम गरिरहेका मजदुरको पहिरोले पुरेर मृत्यु भएको छ । मृत्यु हुनेमा तेहथुम आठराई गाऊपालिका वडा नं. ५ छातेढुंगा का २७ बर्षीय टिका मोक्तान रहेका छन् ।

विहीवार रसुवा कन्ट्रक्सनको मजदुर रहेका मुक्तानको रोडको भित्तामा ग्याबिन भर्ने काम गरिरहेको अबस्थामा १५ मिटर माथीबाट पहिरो खसेर पुरेको थियो । घटनाको जानकारी पाए लगतै ईलाका प्रहरी कार्यालय अमरपुरबाट प्रहरी टोली खटि गई पहिरोबाट उद्धार गरि निकाल्दा मुक्तानको मृत्यु भईसकेको थियो ।

घटना सम्बन्धी थप अनुसन्धान जिल्ला प्रहरी कार्यालय पाँचथरबाट भईरहेको छ ।

कर तिरौं, राजश्व बढाऔं

कर तिर्नु कानूनी अधिकार मात्र नभएर सम्मान पाउने अवसर पनि हो । त्यसैले कर तिरौं देशको राजश्व बढाऔं ।
स्थायी लेखा नम्बर लिनुहोस ढुक्क भएर व्यवसाय सञ्चालन गर्नुहोस् ।
लेखा राखौं हिसाबमा भर, हचुवामै नतिरौं कर
कर्तव्य ठानेर कर तिरौं नव नेपाल निर्माणमा सहभागी बनौं ।
सामान किनौं गतिलो छानेर बिल मागौं अधिकार ठानेर ।

अन्तरिक राजश्व कार्यालय विराटनगर

विराटनगर महानगरपालिको अपिल

१. नोभेल कोरोना (कोभिड-१९) संक्रमण, नियन्त्रण र रोकथामको लागि यस महानगरपालिका क्षेत्र भित्र संचालनमा रहेको सवै पसल, उदोग तथा व्यवसायीहरुले सेवा लिन आउने आगन्तुकहरुका लागि साबुन पानी वा सेनिटाईजर ले हात धुने व्यवस्था मिलाउनु पर्ने ।

२. नोभेल कोरोना (कोभिड-१९) भाइरस विरुद्ध सामाजिक संघ संस्थाहरुले गरेको र गर्ने कामको बारेमा महानगरपालिकालाई जानकारी गराई नदोहोरीन र प्रगति अभिलेख एकद्वार प्रणालीको व्यवस्थपन र्कामा सहयोग गर्ने ।

३. महानगरपालिका अन्तर्गत संचालन हुने साप्ताहिक हाटबजारहरु अर्को सूचना नभएसम्म का लागि स्थगित (वन्द) गर्ने ।

थप जानकारीको लागि ९८४२०२३६७९, ९८५२०३२८१८, ९८४४०९९३७०

स्थानीय....

नेपाली जनतामा छ । ती यस मुलुकका मालिक हुन् । लोकतन्त्र भनेको जनताको शासन जनताका लागि र जनताद्वारा हो । यसर्थ, निर्वाचित जनप्रतिनिधि र कर्मचारी जनताका सेवक र सहजकर्ता बाहेक केही होइनन् । कसैलाई म वा हामी शासक हौं भन्ने लागेको छ भने ती पालिकाको जनप्रतिनिधि हुनलायक ठहरिँदैनन् । यसर्थ, पालिकामा प्राप्त प्रगति विवरणमा सरोकारवाला जनताको पहुँच स्थापित हुनुपर्छ । यसबाट सरोकारवाला र लाभग्राही जनताले योजनाको काममा सघाउँछन् ।

यसरी नागरिक समाजले 'वाचडग' को भूमिका निर्वाह गरेपछि पालिकाबाट गल्ती हुने संभावना हुँदैन । यसका निमित्त समाजका प्रतिष्ठित व्यक्तिलाई अनुगमन समितिमा आमन्त्रित गर्नुपर्छ । आमसंचारमाध्यमले यसलाई समाचारको विषय बनाएपछि काम समयमा सम्पन्न गर्न दबाब पर्छ ।

यसरी बजेट कार्यान्वयन गर्न 'क्राउड सोर्स' का रूपमा आम जनताको निगरानी बढाउन जोड दिनुपर्छ । यसबाट सक्नेले जिम्मेवारी लिन्छ, नसक्नेले हात उठाउँछ । अर्थात्, 'डू अर डाई' को सिद्धान्त अवलम्बन नगरी बजेट कार्यान्वयन हुन सक्तैन ।

७. कार्य सम्पादन सम्झौता गर

बजेट कार्यान्वयनको जिम्मेवारी वा नेतृत्वमा रहने कर्मचारी वा आयोजना प्रमुखसँग कार्य सम्पादन करार गर्नुपर्छ । यस्तो करार सम्झौताका शर्त र कार्य सम्पादन गर्नुपर्ने विषय वस्तुगत ढंगले मापन गर्न मिल्ने गरी 'सूचक' सहित तयार गर्ने काम एउटा विज्ञ समूहलाई दिनुपर्छ ।

विज्ञ समूहले प्रत्येक महीना करार सम्झौता बमोजिम भएको काम उत्कृष्ट, सन्तोषजनक र कमजोर भनी वर्गीकरण गरिदिने र लगातार दुई वा तीन महीना कार्य प्रगति कमजोर भएमा तत् पदाधिकारीलाई सो जिम्मेवारीबाट हटाउनुपर्छ ।

यस प्रणाली अनुसार, तोकिएको काम ९० प्रतिशतभन्दा बढी सम्पादन गर्ने आयोजना प्रमुखको सरुवा नगरिने ग्यारेण्टी हुनुपर्छ । यस्तो प्रबन्ध भएपछि जिम्मेवार पदाधिकारी वा आयोजना प्रमुखले पनि आफू निडर, निर्भीक र सदाचारी भएर कर्तव्यमा खरो उत्रिने साहस गर्नेछन् ।

आफूले जिम्मेवारी पाएको कामको 'माखो नमार्ने' र माथिल्ला पदाधिकारीले काम गर्न दिएनन् भनी गैरजिम्मेवार टिप्पणी गर्नेलाई पनि विशेषज्ञ समूहले कारबाहीको सिफारिश गर्नेछ । यस्तो कार्य सम्पादन करार निर्वाचित पदाधिकारी, जिम्मेवार कर्मचारी, ठेकेदार, उपभोक्ता समूह, टोल विकास समिति र अन्य जिम्मेवारी पाएका परामर्शदाता लगायतसँग गर्नुपर्छ ।

८. कोशेढुंगा निर्क्योल गर

प्रत्येक पालिकाले आफूले के कुरा प्राप्तिका लागि बजेट कार्यान्वयन गर्न चाहेको हो ? सोको पहिचान गरी काशेढुंगा हासिल हुने गरी काम गर्नुपर्छ । यसका लागि आम गाउँवासी वा नगरवासीलाई कार्यक्रमको जानकारी दिन बजेट वक्तव्य पुस्तिका प्रत्येक घरधुरीमा वितरण गर्नुपर्छ ।

यस विषयमा स्थानीय पत्रपत्रिका, रेडियोबाट व्यापक प्रचार गर्नुपर्छ । प्रत्येक पालिकाले वडागत बजेट र कार्यक्रमको 'फ्लेक्स बोर्ड' तयार गरी टाँस्नुपर्छ । प्रत्येक निर्माणस्थलमा होर्डिङ बोर्ड टाँस्नुका साथै वडागत जनभेला र सार्वजनिक सुनुवाइ गर्नुपर्छ । यसरी बजेटप्रति आम जनताको स्वामित्व बढाउने रणनीति लिने पालिका नै बजेट कार्यान्वयनमा सफल हुने हो ।

९. ऐनको हेक्का राख

प्रत्येक पालिकाले बजेट पारित गर्दा विनियोजन ऐन र आर्थिक ऐन पनि पारित गरेको हुन्छ । जस अनुसार अधिकतम १० प्रतिशत भन्दा बढी रकम रकमान्तर गर्न सकिन्न । यसैगरी, पूँजिगत बजेटलाई चालु बजेटमा रकमान्तर गर्न ऐनले निषेध गर्छ ।

यस्तो अवस्थामा केही नगरी नहुने परिस्थिति आएमा गाउँ वा नगर सभा बोलाउनुपर्छ । तर, यदि आ.व. को बीचमा सर्वसञ्चित कोषमा कुनै अतिरिक्त रकम जम्मा हुन आएमा कार्यपालिकाको स्वीकृतिमा खर्च गर्न सकिनेछ भन्ने कुराको हेक्का राख्नुपर्छ ।

यसैगरी आर्थिक ऐन अनुसार पालिकाले सम्पत्ति कर, भूमि कर (मालपोत), घर जग्गा बहाल कर, व्यवसाय कर, जडीबुटी, कवाडी र जीवजन्तु कर, सवारी साधन कर, विज्ञापन कर असुली गर्नुपर्छ । साथै, मनोरञ्जन कर, बहाल बिटौरी शुल्क, पार्किङ्ग शुल्क, सेवा शुल्क, दस्तुर, बिक्री तथा निकासी शुल्क, घर जग्गा रजिष्ट्रेशन शुल्क र दण्ड जरिवाना असुली गर्नुपर्छ । माछो भए दुलोमा हात र सर्प भए दुलो बाहिर हात गरेर स्थानीय तह राजश्व असुलीमा सफल नहुने कुरा घाम जत्तिकै छर्लङ्ग छ ।

यसर्थ, सबैलाई अभियानको रूपमा सम्पत्ति कर र भूमि करको दायरामा ल्याउनुपर्छ । विशेषगरी, घर बहाल कर र व्यवसाय करमा स्वघोषणाका लागि जनतालाई उत्प्रेरित गर्नुपर्छ । कर छुट दिने र जरिवाना लगाउने विषयमा स्वविवेकी अधिकार प्रयोग गर्नुहुँदैन । कर असुलीमा व्यापक रूपमा जानकारीका लागि ठाउँ-ठाउँमा होर्डिङबोर्ड राख्नुपर्छ । व्यवसाय कर दर्तालाई घुम्ती सेवा वा शिविरको रूपमा दर्ता गराउनुपर्छ । आम्दानी नगरी खर्च गर्न सकिन्न भन्ने कुराको सधैं हेक्का राख्नुपर्छ ।

१०. चुरो कुरो

प्रत्येक पालिकाले बजेटको सफल कार्यान्वयन गरी गाउँवासीको जीवनस्तरमा गुणात्मक परिवर्तन ल्याउनुपर्छ । यसको माध्यमद्वारा स्थानीय सरकारको प्रभावकारिताको अभिवृद्धि गर्नुपर्छ । साथै गाउँ र शहरका जनतामा सरकारको उपस्थितिको महसूस गराउनुपर्छ । वित्तीय उत्तरदायित्व सम्बन्धी ऐन अनुसार आन्तरिक नियन्त्रण प्रणालीलाई चुस्त र दुरुस्त तुल्याउनुपर्छ ।

यस अतिरिक्त, वित्तीय खर्च र यथार्थ कार्यप्रगति बीच तालमेल खोज्नुपर्छ । दण्ड र पुरस्कारको नीतिलाई घनीभूत रूपमा लागू गर्नुपर्छ । मोबिलाइजेशन रकम दिएपछि निर्माण सामग्री साइटमा खसेको, यन्त्र उपकरण र मजदूर भेला भई काम आरम्भ गरेको सुनिश्चित हुनुपर्छ । गाउँ गौरवको योजना, कानूनले प्राथमिकता तोकेको क्षेत्र, लक्षित कार्यक्रम, गरीबी न्यूनीकरणका कार्यक्रम, स्वरोजगारका कार्यक्रम लगायतलाई उच्च प्राथमिकता दिनुपर्छ ।

यसैगरी, चालु खर्च र पूँजीगत खर्च बीच तालमेल खोज्नुपर्छ । अनुत्पादक एवं फजुल खर्च कटौती गर्ने खर्च मितव्ययिताको सिद्धान्त अवलम्बन गर्नुपर्छ । यथार्थमा, समयमा बजेट कार्यान्वयनको योजना तर्जुमा गरी लागू गर्नु, आपसमा सहमति कायम हुनु, पालिकाभित्र बजेट कार्यान्वयनको चर्चा हुनु स्वयंमा आधा लडाइँ जित्नु बराबर हो । बजेट कार्यान्वयनमा शतप्रतिशत सफल पालिकाको पहिचान निर्माण गर्न सक्नु स्वयंमा इतिहास रच्नु हो । यस काममा सबै पालिकाहरूलाई सफलताको शुभकामना दिन चाहन्छु । अनलाईन खबरबाट ।